FREEMIND

Date

Page

Requisites of a good Experiment

Goldard, 1963 के अनुसार एक उत्तम प्रयोग के तीन अपेक्षित गुण है, जो इस प्रकार है —

1. Isolation — Isolation अर्थात पृथक्करण किसी उत्तम प्रयोग का एक प्रमुख अपेक्षित गुण है। पृथक्करण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा उन सभी कारकों के प्रभाव को नियंत्रित किया जाता है जिनके प्रभाव का अध्ययन नहीं किया जानेवाला है। जैसे- उपर्युक्त उदाहरण में सीखना पर सिर्फ पुरस्कार के प्रभाव का अध्ययन किया जानेवाला था। अतः सीखने पर बच्चों की उम्र, सेक्स, संख्या, बुद्धि, सीखे जानेवाले पाठ की कठिनाई, तथा इत्यादि के प्रभाव को जिनका अध्ययन नहीं किया जाना था उसे नियंत्रित करके प्रयोगकर्ता ने पुरस्कार के प्रभाव का अध्ययन किया। यदि उपर्युक्त कारकों को नियंत्रित नहीं किया जाता या उनका पृथक्करण नहीं किया जाता तो सीखने पर पुरस्कार के प्रभाव के साथ ही साथ इन कारकों का भी प्रभाव पड़ता एक ओर तब यह कहना मुश्किल था कि दोनों समूहों में सीखने

Scanned with CamScanner

FREEMIND
Date
Page

की प्रक्रिया में अंतर सिर्फ पुरस्कार के ही प्रभाव से हुआ है।

2. Variation — ~~पृथक्करण~~ पृथक्करण के बाद प्रयोग का दूसरा प्रमुख अपेक्षित गुण परिवर्तन है। परिवर्तन से तात्पर्य स्वतंत्र चर में क्रमबद्ध परिवर्तन के फलस्वरूप आश्रित चर में होने वाले परिवर्तनों से होता है। प्रयोगकर्ता स्वतंत्र चर में क्रमबद्ध परिवर्तन करके यह देखता है कि आश्रित चर में कोई परिवर्तन होता है या नहीं। जैसे- उपर्युक्त उदाहरण में एक समूह से पुरस्कार हटाकर तथा दूसरे समूह में पुरस्कार देकर इस स्वतंत्र चर में अर्थात पुरस्कार में परिवर्तन किया गया तथा इस परिवर्तन का प्रभाव सीखने की प्रक्रिया पर देखा गया। यहाँ प्रयोगकर्ता एक समूह में छोटा पुरस्कार तथा दूसरे समूह में अधिक पुरस्कार देकर भी स्वतंत्र चर में परिवर्तन कर सकता है और फिर इन दोनों तरह के पुरस्कारों का प्रभाव सीखने की प्रक्रिया पर देख सकता है। ऊपर कही गई बातों का सारांश यह है कि प्रयोग के चर को इस तरह का होना अनिवार्य है कि उनमें उपर्युक्त प्रकार के परिवर्तन संभव हों। यदि ऐसा नहीं होता तो प्रयोग किया जाना संभव नहीं है।

Scanned with CamScanner

FREEMIND
Date
Page

3. Repetition –

Repetition अर्थात पुनरावृत्ति प्रयोग का तीसरा प्रमुख अपेक्षित गुण है। पुनरावृत्ति से तात्पर्य यह है कि प्रयोग की विधि इस प्रकार की हो कि जरूरत पड़ने पर इसे फिर किया जाना संभव हो ताकि इससे प्राप्त निष्कर्ष की वैधता की जाँच की जा सके। अगर प्रयोग की विधि को दुहराना संभव नहीं है तो इसमें पुनरावृत्ति का गुण भी नहीं होगा और तब इसके निष्कर्ष की वैधता की जाँच भी संभव नहीं होगी। उपर्युक्त प्रयोग का निष्कर्ष यह था कि पुरस्कार द्वारा सीखने की प्रक्रिया तेजी से होती है। फिर, उसी तरह दोबारा प्रयोग करके इस निष्कर्ष की जाँच की जा सकती है।

किसी प्रयोग को उत्तम प्रयोग कहलाने के लिए उपर्युक्त तीनों गुणों का होना अनिवार्य है। ऊपर के तीनों गुणों से यह भी स्पष्ट है कि किसी भी मनोवैज्ञानिक प्रयोग का उद्देश्य व्यवहार

FREEMIND

Date

Page

के बारे में पूर्वकथन अर्थात् Prediction करना होता है। जैसे, उपर्युक्त उपादान में प्रयोग का मुख्य उद्देश्य मात्र 'सीखना' के बारे में पूर्वकथन करना था।

Dr. Om Prakash Keshri
Deptt of Psychology
Maharaja College
ARA.

Scanned with CamScanner